संख्या-632/2017/322/22-2-2017-17(80)/2008

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 10 अगस्त, 2017***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सन्तोष कुमार पुत्र श्री गोबिन्द प्रसाद निवासी जनपद-कानपुर नगर की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-42941/प्रोबे0-5-द0या0 बैठक-28.10.2016 दिनांक 02.12.2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी सन्तोष कुमार पुत्र श्री गोबिन्द प्रसाद, निवासी-परास, थाना-घाटमपुर, जनपद-कानपुर नगर का रहने वाला है। बन्दी द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर दिनांक 20.12.77 को 07 सहअभियुक्त के साथ मिलकर बन्दूक, देशी तमन्चा, फरसा, बर्छी एवं लाठी से मारकर 03 व्यक्तियों की हत्या कर अपराध कारित किया गया है। बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-187/79 में भा0द0वि0 की धारा- 148, 302/149 के अन्तर्गत मा0 चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कानपुर के आदेश दिनांक 17.12.1979 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गय जिसके विरूद्ध बन्दी द्वारा मा0 उच्च न्यायालय में कि0 अपील सं0-31/1980 योजित की गयी। मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 29.04.1998 द्वारा दोषमुक्त किया गया तथा मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 06.10.2004 द्वारा मा0 सत्र न्यायालय द्वारा दी गयी आजीवन कारावास की सजा को बहाल रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 30.03.2016 तक 11 वर्ष 03 माह 11 दिन की अपरिहार सजा तथा 15 वर्ष 00 माह 15 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी के 02 अन्य सहअभियुक्त की मृत्यु तथा 05 अन्य सहअभियुक्त कारागार में सजा भुगत रह हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की गयी है लेकिन दयायाचिका समिति द्वारा कारित अपराध की प्रकृति, काटी गयी सजा के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी सन्तोष कुमार (बन्दी संख्या-18275) पुत्र श्री गोबिन्द प्रसाद, निवासी-जनपद-कानपुर नगर की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-632/2017/322/(1)/22-2-2017 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in